पड़ोसन भाभी के साथ सेक्स एंड लव-1

“जिस लड़की औरत को पति से प्यार ना मिले तो वो दाम्पत्य जीवन से बाहर आकर प्यार पाना चाहती है. ऐसी ही एक भाभी मुझे मिली जिसे लगता था कि उसका पति प्यार नहीं करता. …”

Story By: (Mechengr)
Posted: Sunday, February 24th, 2019
Categories: हिंदी सेक्स स्टोरी
Online version: पड़ोसन भाभी के साथ सेक्स एंड लव-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पड़ोसन भाभी के साथ सेक्स एंड लव-1

मैं रमित आपके लिए एक नयी कहानी लेके हाज़िर हूँ. आपने मेरी पहली कहानी
एक खूबसूरत रिश्ता
पढ़ी.
नीता और मेरा अफेयर बहुत सालों तक चला, फिर उसका अपने हस्बैंड के साथ फिर से पैचअप हो गया और हमारी मुलाकातें कम हो गईं. मेरी और नीता के मिलने की और भी बहुत सी कहानियां हैं, जिन्हें मैं आपको बाद में बताऊंगा. पहले आज ये कहानी बता रहा हूँ, जो मेरी और एक पड़ोस की भाभी की है.

मैंने इधर एक दूसरी कंपनी ज्वाइन कर ली और इस कंपनी ने मुझे वहीं एक सोसाइटी में रहने की लिए फ्लैट दे दिया. अब मैं दो दिन वहीं फ्लैट पे रुकता और एक दिन घर आता.

जिस सोसाइटी में फ्लैट था, वहां अभी ज्यादा लोग नहीं रह रहे थे. मेरा फ्लैट फर्स्ट फ्लोर पर ही था. उस फ्लोर पे एक और फैमिली रह रही थी, उस फ्लोर पे बाकी के सब फ्लैट खाली ही पड़े थे. मेरे फ्लोर पर जो दूसरी फैमिली थी, उसमें हस्बैंड वाइफ और उनका एक बेटा और भाभी की एक बहन थी. जो भैया थे वो पुलिस में एएसआई थे, उनकी उम्र लगभग 40 साल और भाभी की उम्र 35 साल थी. उनका बेटा स्कूल में पढ़ रहा था.

भाभी की जो बहन थी, वो इंजीनियरिंग कॉलेज में फर्स्ट ईयर में थी. वो एक बड़ा ही मस्त माल थी. उसी फिगर ऐसी मादक कि देख कर ही किसी की भी हालत खराब हो जाए. उसकी 34 साइज की चूचियां, तीस की कमर और उठे हुए चूतड़ थे. ऊपर से वो एक से एक मॉडर्न ड्रेसेस पहनती थी … जिस कारण मेरा लंड बैठने के नाम ही नहीं लेता था.

भैया का नाम दिवेश था, मेरी उनसे अच्छी खासी जान पहचान हो गयी थी. शाम को

अक्सर हम चाय उनके घर पे साथ ही पीते. इस कारण मेरा उनके घर अच्छा आना जाना हो गया. भाभी भी मुझसे खुल कर बात करने लगी थी.
आइये मैं आपको भाभी की बारे में बता दूँ. भाभी भी बला की खूबसूरत थी. यही कोई 36 इंच की साइज के चूचे, उनके बाहर को उठे हुए 34 साइज के चूतड़ और बीच में बलखाती 30 साइज की कमर. उनको देख के किसी का भी मन उनसे प्यार करने का हो जाए. भाभी का नाम नैना था और उनकी बहन का नाम सुरभि था.

पहले पहले तो उनके घर में मुझे सब कुछ सामान्य लगा, पर धीरे धीरे पता लगा कि भैया का स्वभाव गुस्सैल और शक्की किस्म का है और वे अक्सर भाभी से लड़ भी पड़ते. इसलिए मैंने थोड़ा उनके घर आना जाना कम कर दिया.

एक दिन भाभी मुझसे बोली- आप भी इंजीनियर हो, तो सुरभि को कभी कभी किसी सब्जेक्ट में हेल्प कर दिया करो.
मैंने हाँ बोल दिया.
इसके बाद सुरभि कभी कभी मेरे पास पढ़ने के लिए आ जाती. पर मैंने कभी उसे गलत नज़र से नहीं देखा.

सुरभि ने एक दिन बताया कि उसके जीजा जी उसके ऊपर काफी शक करते हैं कि उसका किसी लड़के के साथ चक्कर है, इसलिए वो उसके साथ और उसकी दीदी के साथ काफी सख्त रहते हैं.
मैंने पूछा- उन्हें मेरे से तो कोई प्रॉब्लम नहीं है ?
तो वो बोली- नहीं नहीं, आपको वो बहुत पसंद करते हैं, इसी लिए मुझे आपके पास पढ़ने आने की अनुमति दे रखी है.
मैं बोला- फिर ठीक है … नहीं तो पुलिस वालों से मुझे डर लगता है.
वो हंसने लगी.

अब भाभी से भी कभी कभी शाम को अच्छे से बात होने लगी. इसी बीच भैया को डिपार्टमेंटल ट्रेनिंग की लिए शिमला जान पड़ा और ट्रेनिंग की बाद उनकी ड्यूटी चीफ मिनिस्टर की सिक्योरिटी में लग गयी. इस वजह से उनका घर आना जाना कम हो गया.

एक दिन जैसे ही मैं ड्यूटी से आया तो भाभी बाहर ही मिल गयी. मुझसे चाय की लिए पूछा, तो मैंने हाँ कर दी.
वो बोली- आप फ्रेश हो लो, तब तक मैं कॉफ़ी बना लाती हूँ.

मैं फ्रेश हो कर आया, तो भाभी दो कप कॉफ़ी लेकर आ गयी. भाभी बोली- अकेले कॉफ़ी पीने का मन नहीं था, इसलिए मैं अपनी भी यहीं ले आयी.
मैंने बोला- अच्छा किया, मुझे भी कंपनी मिल जाएगी.

हम दोनों बातें करने लगे, तो भाभी अपने रिलेशनशिप को ले के काफी मायूस लगी. मैंने उन्हें चीयर अप किया और मोटीवेट किया. उस दिन उन्होंने मेरे लिए खाना बनवा के भी भिजवाया.

अगले दिन शाम को जब ऑफिस से लौटा, तो भाभी फिर से कॉफ़ी बना लायी. उस दिन वो मुझसे बोली- मैं पोस्ट ग्रेजुएट हूँ, पर क्या फायदा घर में ही रहती हूँ. शादी से पहले घरवाले ज्यादा सख्त थे और अब हस्बैंड भी ऐसा मिला. इसी लिए मेरा कोई दोस्त भी नहीं है.
मैं बोला- भाभी, कोई बात नहीं आप फेसबुक पे अपना अकाउंट बना लो, इस तरह से आपको दोस्त भी मिल जाएंगे और आपका दिल भी लगा रहेगा.
तो वो बोली- आप बनोगे मेरे दोस्त ?
मैंने हाँ कर दी, तो उन्होंने हंस के अपना हाथ आगे किया और बोली- लेट्स बिगिन न्यू फ्रेंडशिप …
मैंने भी अपना हाथ बढ़ा दिया.

वो बोली- अब आप मुझे भाभी नहीं, नैना बोलो.
मैंने कहा- नहीं लोग गलत समझेंगे.
तो बोली- अकेले में तो मेरे नाम से ही बुलाओगे.
मैंने हाँ कर दी.

उस शाम बैठ के मैंने उसका फेसबुक अकाउंट बनाया और उसका एफबी फ्रेंड भी बन गया. अब अक्सर हम मैसेंजर पे भी चैट करते. नैना ने मुझे चैट पे अपने बारे में सब कुछ बताया.

एक दिन मुझे रात में बुखार आ गया, तो अगले दिन ऑफिस नहीं गया. मेरी गाड़ी घर पर ही खड़ी देख कर नैना पूछने आयी कि मैं ऑफिस क्यों नहीं गया.
मैंने बताया कि मेरी तबियत खराब है.
तो वो झट से वापिस गयी, चाय और बुखार की टेबलेट ले आयी.

हम दोनों चाय पी रहे थे. नैना मेरे पास ही बैठी थी. उसने ब्लू लोअर के ऊपर सफ़ेद रंग का कुरता पहन रखा था. सफ़ेद कुर्ते में से उसकी हल्के नीले कलर की ब्रा भी दिख रही थी. सामने से उसकी क्लीवेज दिख रही थी और दूध जैसे गोरे रंग के उरोज़ों की थोड़ी झलक भी मिल रही थी. इस टाइम मुझे नैना बहुत सेक्सी लग रही थी. शायद ये उसके सामीप्य का असर था या मैं काफी दिनों से घर नहीं गया था, जिससे मेरी जिस्म की भूख जाग रही थी. पर जो भी था, मैं उसके बूब्स को घूर रहा था.

ये बात नैना ने भी ताड़ ली थी, पर उसने बुरा नहीं माना. मेरे सामने चुटकी बजाते हुई बोली- ए मिस्टर, क्या देख रहे हो कहाँ खोये हो ?
मैं सकपका गया और बोला- अरे कुछ नहीं यार.
तो वो हंसने लगी. मुझे आराम करने के लिए बोल कर वो चली गयी. जाते हुए बोली- मैं बाद में नाश्ता लाती हूँ.

मैंने बोला- अरे नहीं.
तो वो डांट लगा के बोली- चुपचाप लेटे रहो.

कोई एक घंटे बाद फिर से आयी और बोली- आ जाओ घर पे, ब्रेकफास्ट वहीं कर लेते हैं.

मैं भी उसके साथ उसके फ्लैट पे चल दिया. सुरभि कॉलेज जा चुकी थी और उसका बेटा भी स्कूल चला गया था.

हम दोनों ने ब्रेकफास्ट किया. मेरा ध्यान अब भी उसकी चूचियों पे था और वो इस बात को भली भांति समझ रही थी, पर बोल कुछ नहीं रही थी.
वो बोली- आज तुम घर पे ही हो, तो चलो शॉपिंग करने चलते हैं और डॉक्टर को भी दिखा आते हैं.
मैंने हामी भर दी.

दो घंटे बाद नैना तैयार होके आयी, तो उसे देख कर मैं तो पगला ही गया. उसने टाइट सफ़ेद कलर की पजामी और हल्के नीले कलर का कुरता पहन रखा था आंखों पे धूप का चश्मा. वो गज़ब सेक्सी लग रही थी. मेरा दिल तो बस उसे पकड़ के चोदने के लिए मचल रहा था.

वो बोली- तुम फिर खो गए ?
तो मैंने बोला- क्या करूँ यार, तुम लग ही इतनी खूबसूरत लग रही हो.
वो हंसने लगी और बोली- सिर्फ खूबसूरत ही लग रही हूँ न.
मैंने बोला- नहीं, सेक्सी भी लग रही हो.
वो शर्मा गयी और बोली- ज्यादा बातें मत बनाओ और चलो.

हम मॉल में आ गए, पहले उसने कुछ किचन का जरूरी सामान लिया. फिर वो मॉल के

लॉन्जरी सेक्शन में आ गयी.
मैं बोला- मैं यहाँ क्या करूंगा … तुम्हें जो लेना है, ले लो.
मैं जाने को हुआ, तो उसने मेरा हाथ पकड़ के खींचते हुए कहा- चुपचाप चलो.
मैं मज़बूरी में उसके साथ हो गया.

वो ब्रा देखने लगी. उसने दो तीन कलर्स की ब्रा उठाईं और मुझसे पूछने लगी कि इनमें से कौन सी वाली अच्छी है.
मैंने शरमाते हुए उसे डार्क ब्लू और ब्लैक कलर के लिए बोला, तो उसने वही ले ली साथ में मैचिंग पैंटी भी खरीद ली.

मैंने पैसे देने चाहे, तो उसने मना कर दिया. वो बोली- अगर पैसे ही खर्च करने हैं, तो अपने आप अपनी पसंद से ले आना … मैं ले लूँगी.
उसकी इस बात से मैं जरा भौंचक्का सा रह गया.

फिर उसने एक ड्रेस ली और हम खाना खाने के लिए मॉल के फ़ूड कोर्ट में आ गए.
खाना खाते हुए उसने पूछा- सुबह तुम मुझे इस तरह क्यों देख रहे थे ?
तो मैंने भी बोल दिया- तुम लग ही इतनी सेक्सी रही थी, मैं तो क्या कोई भी खो जाता.
वो बोली- अच्छा जनाब रोमांटिक भी हैं.

मैं कुछ कहता तभी वो आगे बोली- मेरे पति तो नहीं खोते ऐसे.
मैंने बोला- जिसको हीरा आसानी से मिल जाए न … उसे उसकी कीमत नहीं पता होती, जिसको नहीं मिला होता, उसी को उसकी असली कीमत पता होती है.
वो हंसने लगी.

बातों बातों में उसने बताया कि अगले दिन मेरा जन्मदिन है, पर मैं किसके साथ मनाऊंगी … हस्बैंड तो ड्यूटी पे है. वैसे भी उन्होंने कभी मेरा बर्थडे सेलिब्रेट नहीं किया है.

इस पर मैंने बोल दिया- उदास क्यों होती हो … मैं हूँ न.

वहां से निकल कर मैं उसे सीधा एक बड़े फैशन स्टोर में ले गया और एक बढ़िया सी स्लीवलेस शार्ट घुटनों तक ड्रेस बर्थडे गिफ्ट के लिए दिलवाई.
वो बोली- मैं ऐसी ड्रेस पहन के कहाँ जाऊंगी, पति तो पहले ही खडूस है.
मैंने बोला- कोई बात नहीं … कल बर्थडे पे यही पहनना.
तो उसने चुपचाप वो ड्रेस ले ली और थैंक्स बोला.

हम घर पहुंचे, तो मैं अपने फ्लैट पे जा के सो गया.

रात को 8 बजे नैना ने मुझे डिनर के लिए जगाया. मैंने सुरभि और नैना के साथ डिनर किया. नैना चेंज करके पिंक नाइटी पहन के बाहर आयी. सुरभि सोने के लिए अपने रूम में चली गयी.

नैना बोली- बैठो थोड़ी देर कॉफ़ी पीते हैं. मैं ड्राइंगरूम में बैठ के टीवी देखने लगा. नैना दो कप कॉफी के ले के आ गयी और मेरे बगल में बैठ गयी.

इस वक्त पिंक कलर की नाइटी में वो गज़ब की सेक्सी लग रही थी. उसने नीचे से ब्रा भी नहीं पहनी थी, तो उसके निप्पल्स साफ़ दिखाई दे रहे थे. मेरे भी लोअर में हलचल होने लगी. मैंने अपने हथियार को बड़े मुश्किल से हाथ से नीचे किया. नैना ने भी कनखियों से ये सब देख लिया था और वो मंद मंद मुस्कराने लगी.
मैंने पूछा- क्या हुआ ?
वो मुस्कराने लगी और बोली- तुम बताओ … तुम्हें क्या हुआ है, सुबह से ही खोए हुए हो ?
मैंने झेंप के आंखें नीची कर लीं.

नैना ने धीरे से मेरे हाथ पे हाथ रख दिया और बोली- होता है ऐसा !

इस हरकत के बाद वो मुस्कराने लगी.

मैंने कॉफी का कप टेबल पे रखा और जाने के लिए उठ खड़ा हुआ, तो नैना भी उठ गयी. वो मेरे इतने पास खड़ी हुई थी कि उसकी गर्म सांसें मेरे चेहरे से टकरा रही थीं. मैंने आगे बढ़ कर नैना को अपनी बांहों में ले लिया और उसके होंठों पे अपने होंठ रख दिए. नैना ने जरा सा भी विरोध नहीं किया, वो झट से मेरा साथ देने लगी. नैना मेरा ऊपर का होंठ चूसने लगी और मैं उसका निचला होंठ चबाने लगा.

हम दोनों काफी देर तक लिप लॉक करे रहे. फिर मैंने उसके होंठों से होंठ हटा के उसकी कान की लौ को चूमने लगा. नैना की आंखें बंद हो गयी थीं और वो आहें भर रही थी.

तभी वो बोली- रमित बस करो … सुरभि आ जाएगी.
मैंने उसकी बात को अनसुना कर दिया. एक बार उसे देखा और फिर से उसके होंठों को चूमने लगा. वो भी मेरा साथ दे रही थी. इस बार मेरा एक हाथ उसके बूब्स पे चलने लगा और उसका एक बूब मैंने हल्का सा प्रेस भी कर दिया.

वो सिसकी भरके बोली- प्लीज रमित … अभी नहीं, सुरभि घर पे है और राहुल भी है, कोई भी आ जाएगा.

मैंने उसे छोड़ दिया. पल भर के हम एक दूसरे की आंखों में देखा. नैना की आंखें लाल हो चुकी थीं, उनमें वासना तैर रही थी और इधर मैं भी इसी आग में जल रहा था. पर सुरभि और राहुल घर पे थे, तो कुछ नहीं कर सकते थे.

मैंने जाने लगा, तो नैना मेरा हाथ पकड़ के बोली- नाराज़ हो गए क्या ?
मैंने बोला- नहीं … प्लीज मुझे जाने दो नहीं तो आज मुझसे कुछ गलती हो जाएगी.
नैना बोली- मुझे यूं ही प्यासी क्यों छोड़ के जा रहे हो ?

मैंने कोई जवाब नहीं दिया और अपने फ्लैट में लौट आया.

आशा है कि आपको मेरी सेक्स कहानी अच्छी लग रही होगी, मुझे आपके मेल का इन्तजार रहेगा.

mecheng75.234 @gmail.com

कहानी का अगला भाग : पड़ोसन भाभी के साथ सेक्स एंड लव-2

Other stories you may be interested in

बीपीएल राशनकार्ड बनवाने की फीस

हैलो दोस्तो, मेरा नाम अजय है. मैं उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूँ. आज मैं आपके सामने अपनी अगली कहानी पेश कर रहा हूँ. ये कहानी किसी दूसरे लेखक/पाठक ने मुझे भेजी है. जिसने मुझे ये कहानी भेजी है, वो […]
Full Story >>>

गीली चूत

मैंने आज तक कभी इतनी गीली चूत नहीं देखी जो मैंने पिछले साल अहमदाबाद में देखी. वो जब जब चुदती थी अपनी चूत कपड़े से पौंछती रहती थी. पिछले साल मुझे ऑफिस की तरफ से ट्रेनिंग पे अहमदाबाद भेजा गया […]
Full Story >>>

पड़ोसन भाभी को पटा कर चुदाई का मजा दिया

दोस्तो, मेरा नाम समीर है. मैं मुंबई का रहने वाला हूँ. मैं अभी पच्चीस साल का हूँ. मेरा कद और बॉडी जिम करने के कारण काफी आकर्षक है. बनाने वाले की कृपा से और पोर्न मूवीज देख कर लगातार लंड […]
Full Story >>>

मेरे मामा की लड़की मेरी दिलबर-2

नमस्कार दोस्तो, मेरी पहली और सच्ची दास्ताँ मेरे मामा की लड़की मेरी दिलबर-1 को जो अपने प्यार दिया, उसके लिए सभी का धन्यवाद. मेरी कहानी के पहले भाग में जैसा कि आपने देखा कि मेरे मामा की बेटी कोमल और […]
Full Story >>>

काम तृप्ति का सुखद अहसास

दोस्तो, मेरा नाम अर्चना गुप्ता है, मैं अभी चालीस साल की नहीं हुई हूँ ; हो जाऊँगी जल्दी ही। मैं एक शादीशुदा औरत हूँ, तीन बच्चे हैं मेरे, गोरखपुर में रहती हूँ। मैं एक बड़े सरकारी कॉलेज में प्रोफेसर हूँ। मेरे […]
Full Story >>>